माँ दुर्गा क्षमा याचना पाठ स्तुति

माँ दुर्गा क्षमा याचना पाठ स्तुति

स्तुति पूजा पाठ कथा कीर्तन ,अरदास मेरी स्वीकार करो -२
भाषा छन्द शब्द की भूल मेरी-२ ,अपराध क्षमा सरकार करो -२
स्तुति पूजा .....

मंत्र यंत्र का ज्ञाता नहीं -२ आवाहन विसर्जन आता नहीं -२
क्या भेंट धरूँ धन पास नहीं -२ मंजूर मेरे उदगार करो -२
स्तुति पूजा ...

तेरे नाम धाम कई रूप वर्ण -२ मैं तो जानूं माँ अनुसरन शरण -२
करुणा-सिंधु कल्याणी अम्बे ,-२ जननी जन का उधार करो -२
स्तुति पूजा ...

हूँ नीच अधम अपना लो मुझे -२ अपने आँचल में छुपा लो मुझे -२
उलझा हूँ जगत की उलझन में ,-२ मेरा बड़ा भंवर से पार करो -२
स्तुति पूजा ...

है पुत्र कुपुत्र हो जाता कहीं -२ होती पर माता कुमाता नहीं -२
भूला बिसरा मैं बालक हूँ ,-२ मेरे मन मंदिर उजियार करो -२
स्तुति पूजा ...

यह दास 'मधुप'की चाह माता -२ रहे जन्म तुम संग नाता -२
हो होंठों पे हरदम नाम तेरा ,-२ इतना मुझ पर उपकार करो -२

स्तुति पूजा पाठ कथा कीर्तन ,अरदास मेरी स्वीकार करो।
भाषा छन्द शब्द की भूल मेरी-२ ,अपराध क्षमा सरकार करो -२
स्तुति पूजा पाठ कथा कीर्तन ,अरदास मेरी स्वीकार करो।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33062/title/ma-durga-kshma-yaachna-paat-stuti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |